# ओ मेरे शीश के दानी | By Vijay Pandey

नाम कर दी मैंने अपनी ज़िंदगानी
ओ मेरे शीश के दानी, ओ मेरे शीश के दानी
प्रीत मेरी भी सांवरिया है तूने पहचानी
ओ मेरे शीश के दानी, ओ मेरे शीश के दानी

चाहत यही तुझे रोज़ संवारु
तुझको सजा के तुझे जी भर निहारु
हो गई आँखें मेरी सांवरिया तेरी दीवानी
ओ मेरे शीश के दानी, ओ मेरे शीश के दानी

मुझको ये तेरा प्यार मिला है
प्यार मिला दरबार मिला है
ये तो किस्मत मैंने पाई तेरी मेहरबानी
ओ मेरे शीश के दानी, ओ मेरे शीश के दानी

तेरी मैहर की पड़ी जो नज़र है
तेरी नज़र का बाबा हुआ ये असर है
दूर हो गई कुंदन जीवन में अब खींचातानी
ओ मेरे शीश के दानी, ओ मेरे शीश के दानी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%93-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-vijay-pandey/